UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Instrumental-Tonal) 1st Year Assignment
एम0ए0 संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15 May 2013 **जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013**

Course Title : Raago Aur Taalo Ka Addhyan **Course Code : M.A.M.I.-02**

कोर्स शीर्षक : रागों और तालों का अध्ययन **कोर्स कोड : एम0ए0एम0आई0–02**

Year : 2012-13 **Maximum Marks : 40**

सत्र : 2012–13 **अधिकतम अंक : 40**

❖ **खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।**

खण्ड़ – क

1. स्वरलिपि पद्धति को समझाते हुए भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति की व्याख्या कीजिए।
2. पं0 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति का वर्णन कीजिए तथा भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति से इसका तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।
3. राग निर्माण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. राग को समझाते हुए रागों के समय चक्र पर चर्चा कीजिए।
5. पं0 दामोदर कृत 'संगीत दर्पण' ग्रन्थ के सभी अध्यायों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. तन्त्रवाद्य के घरानों का परिचय दीजिए तथा किन्हीं दो घरानों का विस्तृत वर्णन कीजिए ।
7. पाठ्यक्रम के रागों में से किन्हीं चार रागों का पूर्ण परिचय प्रस्तुत कीजिए।
8. पाठ्यक्रम की किन्हीं चार तालों का पूर्ण परिचय देते हुए उनकी दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड लयकारी भी लिपिबद्ध कीजिए।

❖ **खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

खण्ड़ – ख

1. संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी एवं स्वरमेलकलानिधि में संगीत की स्थिति पर चर्चा कीजिए।
2. भारतीय वाद्यों की उत्पत्ति, विकास व वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए तथा स्वरवाद्यों(तत् व सुषिर) की उत्पत्ति एवं विकास पर चर्चा कीजिए।
3. मसीतखानी गत को समझाइये तथा पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में मसीतखानी गत व तोड़ों को लिपिबद्ध कीजिए।
4. रजाखानी गत को समझाइये तथा पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में रजाखानी गत व तोड़ों को लिपिबद्ध कीजिए।